अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में दिनांक 26 फरवरी, 2019 को महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में छात्राओं को जागरूक करने के लिए **"Period. End of Sentence"** नामक वृतचित्र दिखाया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता की सत् प्रेरणा से छात्राओं के उज्ज्वल व स्वस्थ भविष्य हेतु अनेकानेक कार्यक्रम कार्यक्रम किए जाते हैं । इसी श्रृंखला में यह ऑस्कर अवार्ड सम्मानित वृतचित्र दिखाया गया। रायका ज़हताबी द्वारा निर्देशित यह फिल्म हापुड़ के "काथीखेड़ा" गाँव में वहीं के स्थानीय निवासियों द्वारा अभिनीत की गई है। इस फिल्म में दिखाया गया कि माहवारी के दौरान महिलाओं को अनेकानेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है । यह एक ऐसा विषय है – जिस पर कोई भी बात करना उचित नहीं समझता। ग्रामीण महिलाओं में जागरुकता लाने के लिए यदि कोई प्रयासरत रहता भी है, तो उसे इसमें कोई सहयोग नहीं मिलता । माहवारी कोई बीमारी नहीं है, अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता के अभाव में लड़की रजस्वला प्रारंभ होते ही अपनी पढ़ाई छोड़ने के साथ–साथ अनेक कठिनाईयों का सामना करती हैं । जागरूकता न होने के कारण गंदा कपड़ा प्रयोग करती हैं, जो कि स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक हैं। कहानी के स्नेहा, रेखा, शबाना, सुमन आदि महिला पात्रों के माध्यम से दिखाया गया कि पैड स्वयं तैयार करके प्रयोग करके आर्थिक रूप से मजबूत बनें और अपने सपने साकार करें। इस अवसर पर अंग्रेज़ी विभागाध्यक्षा श्रीमती कमल टंडन और उनकी सहयोगी प्रवक्ता डॉ. सारिका कांजलिया, श्रीमती विजया इत्यादि उपस्थित रहे । महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. गीता गुप्ता व डॉ. रेणु माहेश्वरी के सहयोग से लगभग 190 छात्राएँ इस वृतचित्र से लाभान्वित हुईं ।